

संदि स्त्री. (तद्.) दो शब्दों को मिलाकर एक शब्द बनाने की विधि।

संदिग्ध वि. (तत्.) 1. जिस पर संदेह किया जाए, शक करने योग्य 2. जो स्पष्ट न हो, अस्पष्ट 3. जिस पर अपराध का दोष हो 4. जिस का आचरण स्पष्ट न हो।

संदिग्धत्व पुं. (तत्.) संदेह करने का दृष्टिकोण, शक करने का नजरिया, संदेह करने का भाव।

संदिष्ट वि. (तत्.) 1. जिस को निर्देशित किया गया हो 2. पहले बताया गया 3. सूचना के रूप में कहा गया।

संदी स्त्री. (देश.) बच्चों के इस्तेमाल की छोटी खाट, खटोला।

संदीपक वि. (तत्.) 1. उद्दीप्त करने वाला, जलाने वाला 2. उत्तेजित करने वाला, दाहक पुं. भौ. ज्वलनशील पदार्थ।

संदीपन वि. (तत्.) 1. जलाने वाला 2. उत्तेजित करने वाला, संदीपक पुं. 1. कामदेव के पाँच बाणों में से एक 2. कृष्ण और सुदामा के गुरु, उज्जैन के आचार्य।

संदीपनी स्त्री. (तत्.) 1. उत्तेजित करने वाली 2. आग प्रज्वलित करने वाली, जलाने वाली।

संदीपित वि. (तत्.) 1. तप्त, बहुत गर्म 2. उत्तेजित 3. जला हुआ, विदग्ध 4. बहुत तेजवान, चमकीला, चमकदार प्रकाशन।

संदीप्त वि. (तत्.) 1. जो उद्दीप्त हो गया हो 2. जो उत्तेजित हो गया हो, संदीपित।

संदीप्य वि. (तत्.) 1. जलाने योग्य, उद्दीप्त किया जाने योग्य 2. उत्तेजित करने योग्य।

संदुष्ट वि. (तत्.) अवगुणों से युक्त, बुरी प्रकृति वाला, दुष्ट, बदमाश, कमीना।

संदूक पुं. (अर.) लकड़ी, लोहा, टीन अथवा किसी अन्य धातु से बनी हुई कुंडे वाली पेटी, सामान सुरक्षित रखने का उपकरण, बक्सा, सामान को समेट कर रखने का उपकरण।

संदूकचा पुं. (अर.) लकड़ी, लोहा, टीन अथवा किसी अन्य धातु से बनी हुई, कुंडी वाली छोटी पेटी, व्यक्तिगत सामान रखने का छोटा संदूक।

संदूकची स्त्री. (अर.) लकड़ी, लोहा, टीन अथवा अन्य किसी धातु से निर्मित संदूकचा से भी छोटी पेटी, व्यक्तिगत सामान रखने की काफी छोटी पेटी।

संदूकड़ी स्त्री. (अर.) बहुत छोटा संदूक दे. 'संदूकची'।

संदूकी वि. (अर.) संदूक की आकृति का, संदूक के आकार का जैसे- संदूकी कब्र अर्थात् सीधी खुदी हुई कब्र।

संदूषण पुं. (तत्.) दूसरे पदार्थ से मिलकर दूषित होने का कार्य, जल में कीटाणुओं का प्रवेश, जल का संदूषण।

संदेश पुं. (तत्.) 1. ऐसा कथन जो सूचना के लिए प्रेषित किया जाए, सामान्य खबर, सूचना 2. उच्चासीन व्यक्ति की आम आदमी के लिए निर्देशात्मक सूचना 3. एक प्रकार की बंगाली मिठाई।

संदेश काव्य पुं. (तत्.) प्रेमी द्वारा प्रेमिका के लिए अथवा प्रेमिका द्वारा प्रेमी के लिए लिखी गई, विरह मूलक काव्य कृति, जो दूत के माध्यम से प्रेषित करने की संकल्पना हो।

संदेशहर पुं. (तत्.) संदेश पहुँचानेवाला व्यक्ति, संदेश वाहक, कासिद, दूत।

संदेशा पुं. (तत्.) सूचना, खबर, बात दे. संदेश।

संदेशी पुं. (तद्.) संदेश पहुँचाने वाला व्यक्ति दे. संदेशहर।

संदेह पुं. (तत्.) 1. किसी वस्तु अथवा स्थिति के विषय में अनिश्चयता 2. सत्य और असत्य को न पहचान सकने का भाव शक, संशय, दुविधा 3. एक प्रकार का अर्थालंकार।

संदेहवाद पुं. (तत्.) किसी भी दर्शन के विषय में संदेह का भाव किसी मत अथवा राय पर संदेह